आज का पुरुषार्थ 16 June 2022

Source: BK Suraj bhai **Website**: www.shivbabas.org

धारणा – *" आज से बेहद की वैराग्य वृत्ति द्वारा सर्व प्रकार लगाव से मुक्त बन संसार में सुन्दर वायब्रेशन्स फैलाने की सेवा में स्वयं को नियोजित करे "*

हमें अपने **सम्पूर्ण स्थिति** को प्राप्त करने के लिए और बाप समान बनने के लिए बेहद का वैराग्य की बहुत आवश्यकता होती है।

बेहद का वैराग्य अपने लिए कुछ भी यूज़ न करने की इच्छा। **मन कही भी आसक्त न हो।** चारों ओर से निकला हुआ हो। जैसे हमारा यह संसार से लंगर उठा हुआ है।

वैराग्य हमारे जीवन को **सुखा** न बना दे बल्कि **हरा-भरा** करे। सब ईश्वरीय रसों से भरपूर करे। ब्रह्मा बाबा ने अपने लिए कुछ भी यूज़ नहीं किया।

तो जैसे बाबा ने बेहद के वैराग्य के द्वारा **बाप समान स्थिति** को प्राप्त किया, हम भी बेहद का वैराग्य धारण करे। यदि हम ऐसा नहीं कर पाते है तो एक समय ऐसा आयेगा जो हमसे सबकुछ छुड़ायेगा। हमें वैराग्य दिलायेगा।

लेकिन तब समय हमारा **शिक्षक** बनेगा। और उससे हमें **ईश्वरीय सुखों** की अनुभूति नहीं हो पायेगी। हम **सम्पूर्ण** तो बन जायेंगे लेकिन सम्पूर्ण बनने की यात्रा का सुख नहीं ले पायेंगे।

यह बहुत सुन्दर यात्रा है। सुखों से भरी है। ईश्वरीय आनन्दों से भरी हुई है। इसका सुख लेना भी परम आवश्यक है। तो अपने मन में सुन्दर सुन्दर संकल्प करे।

मुझे क्या करना है और क्या नहीं करना है? क्या हम उस बाबा की इच्छाओं को पूर्ण नहीं करेंगे, जो जन्म जन्म हमारी इच्छायें पूर्ण करता आया है? या हम छोटी-छोटी इच्छाओं को पूर्ण करने में ही लगे रहेंगे?

तो **जिन्हें महान बनना है**, जिनकी ओर सारा संसार प्यासी नजरों से देख रहा है, वो सभी महान आत्मायें जो अपने को रियेलाइज करते है, बेहद की वैराग्य को अपने जीवन में नेचुरल रूप से धारण कर ले।

कहीं भी हमारे लगाव झुकाव न हो। **यह खेल पूरा हो रहा है।** अब देखते हुए भी कुछ नहीं देखना है।

ऐसे दुनिया को **पावन** बनाने का महान कार्य हमारे जिम्मेदारी है। तो हम कहीं भी अटकेंगे नहीं। और महान वायब्रेशन्स बाबा से लेकर संसार को प्योरीटी की शक्तियों की सकाश देंगे।

यदि हमने बेहद का वैराग्य धारण नहीं किया तो **सकाश देने की सेवा** नहीं कर पायेंगे। जहाँ हमारा लगाव है, जहाँ हम बंधे हुए है, हमारे vibrations केवल वही तक जाकर रूक जायेंगे।

हम सदा **योगयुक्त** भी नहीं रह पायेंगे। लेकिन हमें यह नहीं भूलना है कि हमारा जन्म ही महान कार्य के लिए हुआ है। दुनिया में गंदगी बढ़ती जा रही है। समस्यायें बढ़ती जा रही है।

लेकिन हमें **सकाश** देकर अपनी वंशावली को मदद करनी है। तो आज सारा दिन अपने को चेक भी करेंगे कि ...

" हम कही आसक्त तो नहीं है? कोई हद की इच्छायें हमारी बुद्धि को अपने में आकर्षित तो नहीं करते है? "

हम बाबा से योग लगाकर संसार में प्योरीटी के वायब्रेशन्स फैलायेंगे ....

तो आज सारा दिन अभ्यास करेंगे ...

" मैं पवित्रता का सूर्य हूँ .. प्रकृति का मालिक हूँ .. बाबा से पवित्रता की सफेद रंग की किरणें मुझमें समा कर चारों ओर फैल रही है .. और इस दुनिया को पावन कर रही है "

।। ओम शान्ति ।।